REPORT

One Day Workshop on NAAC Accreditation-Paradigms & Concerns

The IQAC of Sidharth Government "Utkrisht" College Nadaun, Distt. Hamirpur, Himachal Pradesh organized one-day workshop on NAAC Accreditation-Paradigms & Concerns on May 20, 2023. Dr. Sangeet K. Pathak, Department of Mathematics, SGTB Khalsa College Anandpur Sahib, Punjab was the resource person for this event. He delivered an invited talk on the topic "NAAC Accreditation-Paradigms & Concerns". This workshop was organised under IQAC. The workshop was held in two technical sessions. The first session began with the inaugural address of the Principal, followed by the talk of the resource person wherein he discussed all the indicators and latest paradigms about the process of NAAC Accreditation. His main thrust was on the validation of documentation process. The post tea session was an interactive session wherein the conveners of all seven criterion and faculty members discussed the problems and the concerns involved therein. The workshop was quite fruitful and ended with a vote of thanks by the IQAC Convener Dr. Yudhvir Singh. This seminar was organised under the able guidance of Principal Dr. Anil Kumar Gautam(Principal Sidharth Government "Utkrisht" College Nadaun), Coordinator NAAC Prof. Reeta Sharma, Convener IQAC Dr. Y. S. Patyal, Member Secretary IQAC Prof. B. K. Juneja, Organizing Secretary Dr. Reetika Jamwal & Dr. Sunil Kumar Sharma Press Secretary Mr. Yogesh Kumar & Dr. Naveen Sharma.



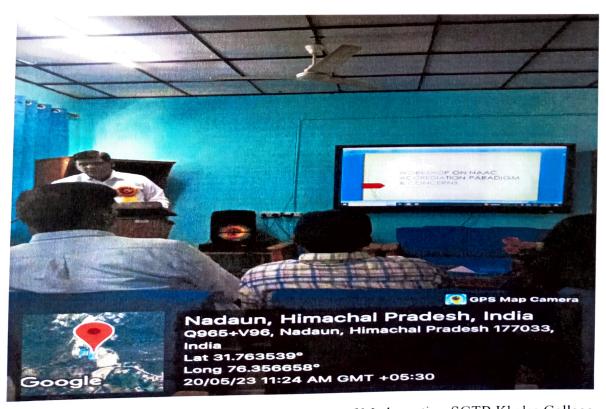
Group Photograph during the Workshop on NAAC

Principal

Sidharth Govt. College Nadaun Distt. Hamirpur (HP) 177033



Inaugural Address by Dr. Anil Kumar Gautam ,Principal Sidharth Govt. College Nadaun, Dist. Hamirpur, H.P.



Invited Talk by Dr. Sangeet K. Pathak, Department of Mathematics, SGTB Khalsa College Anandpur Sahib, Punjab.

Presenting Memento to the Resource person





NEWSPAPER COVERAGE



नादौन में नैक प्रत्यायन प्रतिमान और सरोकार पर लगाई कार्यशाला



नादीन सिद्धार्थ राजकीय उत्कृष्ट महाविधाः एकदिवसीय कार्यशाला में उपस्थित पावार्थ।

स्कारिक संख्य कार्यक्राला से उपरिचाल प्राथमि ।

सहीन, 21 मंड १२०१ - सिद्धियं
राजकार उन्नुक सार्वाज्यसम् वार्थन व्याप्त प्रथम प्रथम प्रथम प्रथम स्वाज्यसम् या अति कृप एसी व नार्वाच्याम से अत्र कृप एसी व नार्वाच्याम से अत्र कृप प्रथम प्रथम प्रथम क्ष्य क्ष्य स्वाच्याम प्रथम क्ष्य क्ष्य स्वाच्याम प्रथम क्ष्य क्ष्य स्वाच्याम प्रथम क्ष्य क्ष्य स्वाच्याम प्रथम क्ष्य क्ष्

द्वयं संगोधि का आयोजन प्रभाव छ अरिलल पुन्धार गीनाम, प्रमाव स्वाद्वार राज्यपेय एलुम्म महाविद्यालयन वहींना सार्व्यालयन कर मी गीना स्वाद्वार सार्व्यालय के पुत्रम हा यह स्वाद्वार सार्व्यालय के पुत्रम हा यह स्वाद्वार सार्व्यालय के पुत्रम का स्वाद्वार सार्व्यालय की को जुनाजा ज्वादा सार्व्यालय की को जुनाजा ज्वादा सार्व्यालय की सार्व्यालय की स्वाद्वार सार्व्यालय की सार्व्यालय की स्वाद्वार सार्व्यालय की सार्व्यालय की सार्व्यालय सार्व्यालय की सार्व्यालय की सार्व्यालय इस्त सार्व्यालय की सार्व्यालय की सार्व्यालय इस्त सार्व्यालय की सार्व्यलय की सार्वलय की सार्वलय की सार्वलय की सार्वलय की सार्वल

नैक प्रत्यायन की प्रक्रिया के संकेतकों पर की चर्चा

के संकेतकों पर की प्राक्रमा के संकेतकों पर की प्राक्रमा के संकेतकों पर की प्राप्त मार्थिन (हमीरपुर)। सिद्धार्थ गणकीय उल्कृष्ट सहाविद्यालय नादीन में शानिकार को आकर्षपुरकों के तल्लाकथान से नैक प्रत्यायन-प्रतिसान कीर अराज्यालय का आजाजन किया गया। एमजोटीकों खाकका का संक्रमा के स्वार्थ के गणत विभाग के स्वार्थ के गणत विभाग के मुख्य व्यवता एवं रिस्तास कर्मन रहें। उन्होंने नेक प्रत्यायन-प्रतिसान कीर सर्वकार पर एक आविष्ठ आवाजन किया है। उन्होंने नेक प्रत्यायन-प्रतिसान कीर सर्वकार विभाग पर एक आविष्ठ आवाजन विभाग के स्वार्थ पर एक आविष्ठ आवाजन विभाग के स्वर्थ पर एक आविष्ठ के उद्धादन प्रतिसान के प्रतिसान की प्रतिसान की पर पर विभाग के स्वर्थ पर पर की स्वर्थ के उद्धादन प्रतिसान के स्वर्थ की स्वर्य की स्वर्थ की स्वर्य की स्वर्थ की स्वर्थ की स्वर्य की स्वर्थ की स्वर्थ की स्वर्थ की स्वर्थ की स्वर्थ की स्वर्थ की स्वर्य की स्वर्थ की स्वर्थ की स्वर्य की स्वर्थ की स्वर्य क

Avatam Distr. namipul (11) 17,000